डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा हरिकृष्ण कौल पर परिसंवाद संपन्न

हरिकृष्ण कौल का यथार्थवादी दृष्टिकोण और उनका तंजो मज़ाह अद्वितीय था – औतार कृष्ण रहबर

नई दिल्ली। 19 जुलाई 2019; साहित्य अकादेमी द्वारा आज प्रख्यात कश्मीरी कथाकार और नाटककार हरिकृष्ण कौल पर एक परिसंवाद का आयोजन किया गया। अपने स्वागत भाषण में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कश्मीर के प्राचीन साहित्य के महत्त्वपूर्ण लेखकों का जिक्र करते हुए कहा कि आधुनिक कश्मीरी कथा साहित्य में हरिकृष्ण कौल का नाम सबसे महत्त्वपूर्ण है। वे मानवता के सच्चे पक्षधर थे और उन्होंने आम नागरिकों की समस्याओं को सबके सामने प्रस्तुत किया। कश्मीरी परामर्श मंडल के संयोजक अज़ीज़ हाजिनी ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे केवल उत्कृष्ट लेखक ही नहीं बल्कि एक आला इंसान भी थे और प्रचार–प्रसार से दूर ही रहते थे। उन्होंने आगे कहा कि उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को देखते हुए अभी उनपर बहुत काम किया जाना बाकी है। इस संदर्भ में उन्होंने उपस्थित सभी कश्मीरी लेखकों से अनुरोध किया कि हम सबको इस सिलसिले में मिलकर कार्य करना होगा। प्रख्यात कश्मीरी लेखक एवं उनके सहपाठी रहे औतार कृष्ण रहबर ने कहा कि कश्मीरी भाषा में जिन लोगों ने भी अच्छी कहानी लिखी है उनमें हरिकृष्ण का नाम सबसे आगे है। उनकी कहानी की सबसे बड़ी खासियत उसमें 'कहानीपन' तथा गहरा तंजो मज़ाह था। उन्होंने सामान्य जनभाषा का प्रयोग कर कश्मीरी भाषा को ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उनका यर्थाथवादी दृष्टिकोण और दिल को छू लेने वाली भाषा उनको लोकप्रिय ही नहीं बल्कि एक विश्वस्तरीय स्थान प्रदान करती है। उन्होंने कश्मीरी भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए महत्त्वपूर्ण रचनाकारों के ऑडियो कैसेट बनवाने की बात कही जिससे कि यह भाषा आने वाली पीढ़ी में लोकप्रिय रह सके। अलीगढ़ विश्वविद्यालय से पधारे मुश्ताक मुंतज़िर ने कहा कि उन्होंने पूरा जीवन कश्मीरी भाषा को आगे बढ़ाने में लगाया और कुछ महत्त्वपूर्ण अनुवादों के ज़रिये भी कश्मीरी साहित्य को आगे बढ़ाने का कार्य किया। गौरीशंकर रैणा ने उनके नाटकको और रेडियो नाटकों के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर राजेश भट्ट, रोशन लाल 'रोशन', आर.के. भट्ट ने अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्हें जरूरी रचनाकार के रूप में याद किया।

कार्यक्रम में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव निरुपमा कोटरू के अतिरिक्त प्रख्यात कश्मीरी लेखक दीपक कौल, एस.के. कौल, वीर मुंशी, राजेंद्र प्रेमी, भारत पंडित, एम.के. निर्धन एवं अशोक सराफ आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी के संपादक अनुपम तिवारी ने किया।

के. श्रीनिवासराव

प्रख्यात कश्मीरी कथाकार
हरिकृष्ण कौल
पर केंद्रित परिसंवाद
a Symposium on
Krishan

प्रख्यात कश्मीरी कथाकार
हरिकृष्ण कौल
पर केंद्रित परिसंवाद
a Symposium on
Hari Krishan Kau
Eminent Kashmiri Fiction Writer
19 July 2019, New Delhi

प्रख्यात कश्मीरी कथाकार
हरिकृष्ण कौल
पर केंद्रित परिसंवाद
a Symposium on
Hari Krishan Kau
Eminent Kashmiri Fiction Writer